

अध्यक्ष — श्री 108 स्वामी विद्याधीशानन्द गिरि जी महाराज  
**श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय**

सम्बद्ध एवं अनुदानित—महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन, (म.प्र.) 456 006  
 (मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार)

संचालित—श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट, पोस्ट झूसी, प्रयागराज-211 019 (उ.प्र.)

**E-mail - ssngvv@gmail.com**

**वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2020-2021**

श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय की स्थापना श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर दिनांक-07.07.1999 को की गयी थी। महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन से दिनांक-01.04.2001 से विद्यालय को “वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने की योजना” के अन्तर्गत इकाई के रूप में मान्यता प्रदान की गयी। महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के द्वारा वर्ष 2004-2005 से विद्यालय को पाठशाला योजना में सम्मिलित कर गरिमा प्रदान की गयी। श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के उद्देश्य निम्नलिखित हैं —

- (क) वेदादि प्राचीन संस्कृत वाङ्मय का अध्यापन।
- (ख) वेद पाठ की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाने के लिये प्रयासरत रहना।
- (ग) बाल्यावस्था से वेदपाठ में पारंगत करना।
- (घ) वेद सभा, सम्मेलन, पारायण, विद्वानों का सम्मान, व्याख्यानमाला तथा प्रतियोगिता का आयोजन करना।
- (ङ) पुस्तकालय, प्रकाशन, वैदिक सनातन धर्मदर्शन का प्रचार प्रसार।
- (च) वेद-छात्र कल्याणकारी योजनाओं को चलाना, छात्रावास, छात्रवृत्ति उपलब्ध कराना।
- (छ) योग्य छात्रों को धर्मशास्त्र तथा कर्मकाण्ड में प्रशिक्षित करना।
- (ज) संस्कृत तथा अन्य भाषाओं का ज्ञान, आधुनिक विज्ञान, तथा गणित के साथ सामाजिक विज्ञान एवं आंग्ल भाषा, वैदिक विज्ञान का ज्ञान कराना।
- (झ) आधुनिक परिवेश को देखते हुये छात्रों को कम्प्यूटर तथा अन्य ट्रेनिंग दिलाने की सुचारु रूप से व्यवस्था की गयी।
- (ञ) सम्मानजनक जीविकोपार्जन तथा नियुक्तियों में परामर्श की सुविधा प्रदान की जाती है।

(ट) वैदिक सनातन जीवन दृष्टि के अनुकूल समाज तथा बाह्यान्तरिक प्रकृति का विकास विश्वकल्याण के कार्य हेतु भिन्न-भिन्न प्रकार के क्रियाकलाप क्रियान्वित किये जाते हैं।

उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के सहयोग से उत्तरोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर है। प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान संस्था के माननीय अध्यक्ष श्री स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज के निर्देशन में विद्यालय के सभी छात्रों के सर्वाङ्गीण विकास तथा बौद्धिक क्षमता आदि के संवर्धन के लिये अनेकानेक प्रयास किये गये—

01. इस वर्ष वैश्विक महामारी कोरोना के चलते पूरे देश में हालात व जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। मार्च के मध्य में भारत के प्रधानमंत्री ने कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिये देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की।

कोरोना संक्रमण की रोकथाम के दृष्टिगत महर्षि सान्दीपनि वेद विद्या प्रतिष्ठान, प्रदेश सरकार व स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पूर्ण अनुपालना करते हुए श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय परिसर में सुरक्षित सामाजिक दूरी, मास्क एवं सैनिटाईजर जैसे बचाव व



स्वच्छता के साधनों को अपनाने का नियम पालन किया गया। इस दौरान कोरोना महामारी से सरकार द्वारा जारी निर्देशों व बचाव के उपायों की पूर्ण पालना कर स्वच्छता, सतर्कता और सामाजिक दूरी बनाये रखते हुए अध्ययन-अध्यापन कार्य वेद एवं शाखा के तत्-तत् वेदाध्यापकों, आधुनिक विषय अध्यापकों एवं संस्कृत विषय अध्यापक द्वारा घर से ही संपन्न किया गया। सभी वेद छात्रों को वेद पाठशाला के शिक्षकों द्वारा ऑनलाईन मोड में अध्यापन कार्य कराया जा रहा है, जिसमें नये मंत्रों का उच्चारण, कंठस्थीकरण के अलावा उनके माता-पिता/अभिभावकों को परामर्श दिया गया कि वे विद्यालय के निर्धारित समय में वेद छात्रों को पुराने अभ्यास की अनिवार्य आवृत्ति भी सुनिश्चित कराएं। सभी शिक्षकों द्वारा नियमित तौर पर तय पाठ्यक्रम वेद छात्रों को उनके मोबाइल या उनके अभिभावकों के मोबाइल पर भेजा गया। इसी प्रकार संस्कृत एवं आधुनिक विषय के अध्यापकगण भी

अपने-अपने विषयों का अध्यापन दूरभाष व व्हाट्सएप आदि मोबाइल एप्लीकेशन व अन्य यथा संभव उपलब्ध ऑनलाइन मोड के माध्यम से संपन्न कराया गया। इस संदर्भ में प्रत्येक वेद एवं शाखा के वेदाध्यपक तथा संस्कृत एवं आधुनिक विषय अध्यापक द्वारा मासिक प्रतिवेदन छात्रों व अध्यापकों की फोटो के साथ प्रतिष्ठान को सूचनार्थ प्रेषित किया गया।

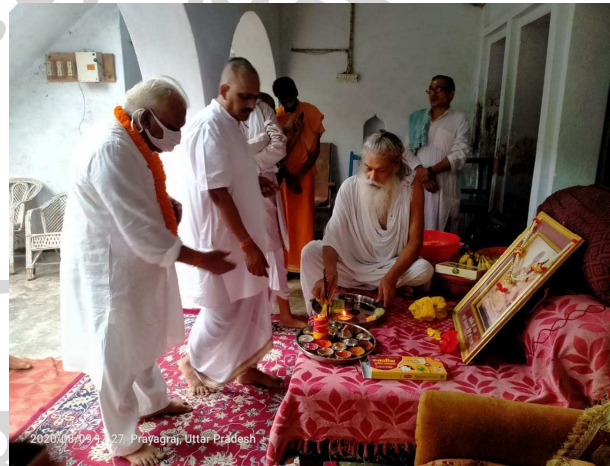
**गुरुपूर्णिमा** – आषाढ़ मास की पूर्णिमा यानी गुरुपूर्णिमा के अवसर पर गुरु पूजा का विधान है। लेकिन इस वर्ष कोरोना महामारी के चलते संक्षिप्त रूप से गुरु पूर्णिमा का प्रतीकात्मक आयोजन किया गया। गुरु पूर्णिमा के पवित्र दिन से चार महीने तक परिव्राजक साधु-सन्त एक ही स्थान पर रहकर ज्ञानवर्धन करते हैं। ये चार महीने मौसम की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ होते हैं। इस दिन श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय का वार्षिक स्थापना दिवस भी मनाया जाता है। परम्परागत रूप से प्रतिवर्ष की भाँति प्राचीन वैदिक परम्परा एवं गुरु शिष्य परम्परा को अक्षुण्य गति प्रदान करने के लिये गुरुपूर्णिमा के दिन गुरु का पूजन किया गया। इस वर्ष श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय की साधारण सभा एवं प्रबन्धकारिणी समिति की महत्वपूर्ण बैठक कोरोना के कारण रद्द कर दी गयी।



2. आधुनिक दौर में सभी के लिये कम्प्यूटर का ज्ञान एवं आधुनिक विषयों (संस्कृत, सामाजिक, अंग्रेजी तथा गणित) का ज्ञान होना, विकास एवं रोजगारपरकता को बढ़ाता है। प्रतिस्पर्धात्मक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए वेद छात्रों के लिये भी कम्प्यूटर साक्षरता तथा आधुनिक विषयों के महत्व एवं अनिवार्यता को नकारा नहीं जा सकता। आधुनिक दौर में वेद वेदांगों सहित आधुनिक विषयों एवं सम्यक् तकनीक का ज्ञान होना अत्यन्त आवश्यक है। कम्प्यूटर ज्ञान तथा आधुनिक विषयों से वेद छात्रों का जहां सशक्तिकरण होगा वहीं उनकी योग्यता तथा आत्मविश्वास दोनों में वृद्धि होगी। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अप्रैल 2006 से प्रारम्भ हुए वेद विद्यार्थियों के कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम में सराहनीय प्रगति हुई है। वेद पाठशाला में निजी स्रोतों की सहायता से आधुनिक कम्प्यूटर सेट के साथ प्रिंटिंग उपकरण भी स्थापित किये गये हैं ताकि वैदिक बटुकों को कम्प्यूटर शिक्षा के

अन्तर्गत छात्रों को कम्प्यूटर परिचय, कम्प्यूटर टंकण (हिन्दी एवं अंग्रेजी), कम्प्यूटर की उत्पत्ति एवं उसका विकास, Internet & Multimedia, कम्प्यूटर हार्डवेयर, साफ्टवेयर एवं उसके प्रकार एवं अनुप्रयोग आदि का ज्ञान प्राप्त हो सके तथा जरूरत पड़ने पर इनका कार्यालय आधुनिकीकरण में भी उपयोग किया जा सके। आलोच्य वर्ष की भांति वर्तमान वर्ष में वेद पाठशाला में कम्प्यूटर शिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। इसके अलावा महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन से अपेक्षा है कि वह अपने स्तर पर सभी पाठशालाओं के लिये कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु आर्थिक सहयोग उपलब्ध करायेगा।

3. 09 अगस्त, 2020 दिन—रविवार भाद्रकृष्णषष्ठी के अवसर पर प्रातःस्मरणीय परम पूज्य ब्रह्मलीन श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि जी की पुण्य—स्मृति के अवसर पर वेद ऋचाओं के सस्वर वेदपाठ, संगीतमय स्तोत्रपाठ किया गया। संस्था के अध्यक्ष पूज्यपाद प्रातःस्मरणीय श्री स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज ने सभी के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की और वेदाध्ययन में रत छात्रों को परिश्रम के साथ जीवन में निरंतर प्रगति करने का आशीर्वाद दिया।



4. 11 अगस्त, 2020 दिन—मंगलवार को विद्यालय परिसर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। भाद्रपद कृष्णपक्ष की अष्टमी तिथि की मध्यरात्रि अत्याचारी कंस का विनाश करने के लिये भगवान् श्रीकृष्ण ने मथुरा में अवतार लिया। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के शुभवसर पर विद्यालय में बाल गोपाल के जन्म की भव्य झांकी सजायी गयी और “कृष्णाष्टकम्”, “गोविन्दाष्टकम्” “गोपी मंगल गीत” तथा भगवत् स्तुति का पाठ किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार द्वारा विधिपूर्वक भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। भजन—कीर्तन इत्यादि के साथ भगवान के अवतरण का आनन्द मनाया गया।



5. 15 अगस्त, 2020 को प्रातः 8 बजे श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय, श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट, झूंसी, इलाहाबाद के प्रांगण में स्वतन्त्रता दिवस के परिप्रेक्ष्य में हरिकिशन सिंह (भूतपूर्व इंजीनियर पी. डब्ल्यू.डी. प्रयागराज) के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। जिसमें आश्रम के प्रबंधक श्री ब्रह्मचारी मोहन जी, प्रधानाचार्य श्री ब्रजमोहन पाण्डेय जी, समस्त अध्यापकगण, छात्रगण एवं गणमान्य



लोगों ने सामाजिक दूरी का पालन करते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। ध्वजारोहण के उपरान्त छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में सभी को संबोधित करते हुए स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान हमारे महान् स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा दिये गये त्याग, बलिदान का उल्लेख किया और उन्हें भावपूर्ण श्रद्धासुमन अर्पित किये।

6. 21 जनवरी 2021 को विद्यालय के प्राचार्य श्री ब्रजमोहन पाण्डेय जी एवं संस्था के सचिव डॉ. मनोज झुनझुनवाला ने संयुक्त रूप से सभी छात्रों एवं अध्यापकों को कोविड-19 के विषय में सरकार द्वारा जारी निर्देशों का स्मरण कराया एवं सभी से मास्क एवं सेनिटाइजर का अनिवार्य उपयोग करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि



यह बिमारी बेहद संक्रामक एवं खतरनाक है। जब तक पूर्ण वैक्सीनेशन नहीं हो जाता हम सभी को सावधानी रखनी होगी। पठन-पाठन के दौरान भी केन्द्र सरकार, राज्य सरकार एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्णतः पालन करते हुए स्वच्छता, सतर्कता और सामाजिक दूरी बनाए रखना है। क्योंकि बचाव में ही बचाव है।

संस्था के सचिव एवं प्राचार्य सहित समस्त अध्यापकों द्वारा छात्रावास का निरीक्षण किया गया एवं छात्रों को दिशा-निर्देश दिया गया कि अपने-अपने कमरों की सफाई का विशेष ध्यान रखें।

7. 26 जनवरी, 2021 गणतन्त्र दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि श्री स्वामी नरसिंह तीर्थ जी महाराज के द्वारा वेद विद्यालय के प्रांगण में ध्वजारोहण किया गया तथा छात्रों को राष्ट्र के प्रति एवं अपने संविधान के प्रति आस्था रखने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान भारतीय संविधान के साथ-साथ वेदाध्ययन के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला गया। छात्रों द्वारा प्रस्तुत किये गये सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए श्री प्राचार्य जी ने सभी को अपने आशीर्वचनों से अभिसिंचित किया एवं छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए पुरस्कार वितरण किया। प्रसाद स्वरूप फल, मिष्ठान के वितरण के बाद समारोह का समापन किया गया।



8. 16 फरवरी 2021 वसन्त पंचमी के अवसर पर छात्रों द्वारा मां सरस्वती देवी की प्रतिमा का पूजन किया गया एवं नवीन सत्र में प्रवेशित छात्रों का उपनयन संस्कार विद्यालय के आचार्यों द्वारा वैदिक विधि से सम्पन्न कराया गया। मौनी अमावस्या एवं बसंतपंचमी के पावन स्नान पर्व पर प्रयागराज में पधारे श्रद्धालुओं एवं भक्तगणों को श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट एवं वेदनिधि वैदिक हैरिटेज रिसर्च फाउण्डेशन, डुमरांवबाग, अस्सी, वाराणसी की ओर से निःशुल्क खिचड़ी का वितरण किया गया।



\*\*\*\*\*

\*\*\*\*\*

\*\*\*\*\*